VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050
+918988886060

www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(28 January 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- जॉर्डन और मिस्र में फ़िलिस्तीनियों को भेजने की डोनाल्ड ट्रंप की योजना
- छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित फिल्म 'छावा' से जुड़ा विवाद और लोक नृत्य 'लेज़ियम'
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सह-अध्यक्षता किये जाने वाले 'पेरिस एआई शिखर सम्मेलन' के एजेंडे में क्या है?
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

जॉर्डन और मिस्र में फ़िलिस्तीनियों को भेजने की डोनाल्ड ट्रंप की योजना:

चर्चा में क्यों है?

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस सुझाव को कि मिस्र और जॉर्डन को युद्ध-ग्रस्त गाजा पट्टी से फिलिस्तीनियों को अपने यहां ले आना चाहिए, 26 जनवरी को दोनों अमेरिकी सहयोगियों और फिलिस्तीनियों ने सख्त "ना" कहा, क्योंकि उन्हें डर है कि इजरायल उन्हें कभी वापस नहीं आने देगा।
- उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने 25 जनवरी को यह विचार पेश किया और कहा कि वह दोनों अरब देशों के नेताओं से आग्रह करेंगे कि वे गाजा की बड़े पैमाने पर बेघर आबादी को अपने यहां ले लें, ताकि " पूरी तरह से उस जगह को साफ किया जा सकें"।
- लेकिन हमास और फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने इस विचार की निंदा की है। साथ ही जॉर्डन के और मिस्र के विदेश मंत्रियों ने इस विचार को अस्वीकार कर दिया है।

फ़िलिस्तीनी विस्थापन का इतिहास:

- इजराइल के निर्माण के इर्द-गिर्द 1948 के युद्ध से पहले और उसके दौरान, लगभग 700,000 फ़िलिस्तीनी विस्थापित हुए या उन्हें इजराइल में अपने घरों से निकाल दिया गया, एक ऐसी घटना जिसे फ़िलिस्तीनी नकबा के रूप में मनाते हैं - अरबी में इसका अर्थ है तबाही।
- इजराइल ने उन्हें वापस जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया क्योंकि ऐसा करने से उसकी सीमाओं के भीतर फिलिस्तीनी बहुसंख्यक हो जाते।
- उल्लेखनीय है कि फिलिस्तीनी शरणार्थियों की संख्या अब लगभग 60 लाख है, जिनमें बड़े समुदाय गाजा में हैं, जहाँ वे आबादी का बहुमत बनाते हैं, साथ ही वेस्ट बैंक, जॉर्डन, लेबनान और सीरिया में भी। 1967 के मध्यपूर्व युद्ध में, जब इजराइल ने वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी पर कब्ज़ा कर लिया, तो 300,000 से अधिक फिलिस्तीनी विस्थापित हुए, जिनमें से अधिकांश जॉर्डन में चले गए।

फिलिस्तीनी इस योजना का विरोध क्यों कर रहे हैं?

- उल्लेखनीय है कि दशकों पुराना शरणार्थी संकट इजराइल-फिलिस्तीनी संघर्ष का केंद्र रहा है और शांति वार्ता में सबसे कठिन मुद्दों में से एक है। फिलिस्तीनी

अपने निवास क्षेत्र में वापसी के अधिकार का दावा करते हैं, जबकि इजराइल का कहना है कि उन्हें आसपास के अरब देशों में समाहित कर लिया जाना चाहिए।

- कई फिलिस्तीनी गाजा में हुए हालिया युद्ध को एक नया नकबा मानते हैं, जिसमें पूरे इलाके को बमबारी के जरिए तबाह कर दिया गया है और 90% आबादी को अपने घरों से निकाल दिया गया है। उन्हें डर है कि अगर बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी गाजा छोड़ देते हैं, तो वे भी कभी वापस नहीं लौट सकते।

- अपनी ज़मीन पर अडिग रहना फिलिस्तीनी संस्कृति का केंद्र है और 26 जनवरी को गाजा में इसका स्पष्ट प्रदर्शन देखने को मिला, जब हज़ारों लोगों ने क्षेत्र के सबसे ज्यादा तबाह हुए हिस्से गाजा, में लौटने की कोशिश की।

मिस्र और जॉर्डन फिलिस्तीनियों को लेने का विरोध क्यों कर रहे हैं?

- उल्लेखनीय है कि दोनों देशों ने इजरायल के साथ शांति स्थापित की है, लेकिन वे पश्चिमी तट, गाजा और पूर्वी यरुशलम में एक फिलिस्तीनी राज्य के निर्माण का

समर्थन करते हैं। उन्हें डर है कि गाजा की आबादी का स्थायी विस्थापन इसे असंभव बना सकता है।

- मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी ने भी गाजा की सीमा से लगे मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों को स्थानांतरित करने के सुरक्षा निहितार्थों के बारे में चेतावनी दी है।
- उनका मानना है कि हमास और अन्य उग्रवादी समूह फिलिस्तीनी समाज में गहराई से जड़े हुए हैं और शरणार्थियों के साथ वहां आने की संभावना है, जिसका अर्थ होगा कि भविष्य के युद्ध मिस्र की धरती पर लड़े जाएंगे। यह ऐतिहासिक 'कैंप डेविड शांति संधि' को खत्म कर सकता है, जो क्षेत्रीय स्थिरता की आधारशिला है।
- 1970 के दशक में लेबनान में भी यही हुआ था, जब यासर अराफात के फिलिस्तीन मुक्ति संगठन, जो अपने समय का प्रमुख उग्रवादी समूह था, ने लेबनान के दक्षिण को इजरायल पर हमलों के लिए लॉन्चपैड में बदल दिया था। शरणार्थी संकट और PLO की कार्रवाइयों ने लेबनान को 1975 में 15 साल के गृहयुद्ध में धकेल दिया। इजराइल ने दो बार आक्रमण किया और 1982 से 2000 तक दक्षिणी लेबनान पर कब्जा कर लिया।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- जॉर्डन, जिसका PLO के साथ पहले ही टकराव हो चुका है तथा जिसने 1970 में समान परिस्थितियों में PLO को निष्कासित कर दिया था, में पहले से ही 20 लाख से अधिक फिलिस्तीनी शरणार्थी रह रहे हैं, जिनमें से अधिकांश को नागरिकता प्रदान की जा चुकी है।
- वहीं इजरायली अतिराष्ट्रवादियों द्वारा भी लंबे समय से सुझाव दिया जाता रहा है कि जॉर्डन को फिलिस्तीनी राज्य माना जाना चाहिए ताकि इजरायल पश्चिमी तट को अपने पास रख सके, जिसे वे बाइबिल में यहूदी लोगों का गढ़ मानते हैं। जॉर्डन की राजशाही ने इस परिदृश्य को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

क्या राष्ट्रपति ट्रंप मिस्र और जॉर्डन को फिलिस्तीनियों को स्वीकार करने के लिए मजबूर कर सकते हैं?

- यह इस बात पर निर्भर करता है कि राष्ट्रपति ट्रंप इस विचार को लेकर कितने गंभीर हैं और वे इसके लिए कितनी दूर तक जाने के लिए तैयार हैं। अमेरिकी टैरिफ या सीधे प्रतिबंध जॉर्डन और मिस्र के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। दोनों देशों को हर साल अरबों डॉलर की अमेरिकी सहायता मिलती है, और मिस्र पहले से ही आर्थिक संकट में फंसा हुआ है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- लेकिन शरणार्थियों की आमद की अनुमति देना भी इन देशों में अस्थिरता पैदा कर सकता है। मिस्र का कहना है कि वह वर्तमान में सूडान के गृहयुद्ध के शरणार्थियों सहित लगभग 90 लाख प्रवासियों की मेजबानी कर रहा है। 1.2 करोड़ से कम आबादी वाला जॉर्डन 700,000 से अधिक शरणार्थियों की मेजबानी कर रहा है, जिनमें से अधिकांश सीरिया से हैं।
- उल्लेखनीय है कि अमेरिकी दबाव से इस क्षेत्र के उन प्रमुख सहयोगियों को भी अलग-थलग करने का जोखिम होगा जिनके साथ राष्ट्रपति ट्रंप के अच्छे संबंध रहे हैं - न केवल मिस्र और जॉर्डन, बल्कि सऊदी अरब, कतर और तुर्की, जो सभी फिलिस्तीनी मुद्दे का समर्थन करते हैं। इससे सऊदी अरब और इजरायल के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए ऐतिहासिक समझौता कराने के प्रयास जटिल हो जाएंगे, जिसे राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल में करने की कोशिश की थी और उम्मीद है कि अपने वर्तमान कार्यकाल में भी इसे पूरा कर लेंगे।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

छत्रपति संभाजी महाराज पर आधारित फिल्म 'छावा' से जुड़ा विवाद और लोक नृत्य 'लेज़ियम':

चर्चा में क्यों है?

- मराठा शासक छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित आगामी बॉलीवुड फिल्म 'छावा' के ट्रेलर के एक दृश्य ने महाराष्ट्र में विवाद खड़ा कर दिया है। उल्लेखनीय है कि छत्रपति संभाजी महाराज (1657-1689) मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज (1630-1680) के पुत्र थे।
- इस फिल्म में संभाजी महाराज की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विक्की कौशल को लेजिम (लेजियम) लोक नृत्य करते हुए दिखाया गया है। पिछले हफ़्ते ट्रेलर रिलीज़ होने के बाद कई लोगों ने इस दृश्य की आलोचना की। 27 जनवरी को फिल्म के निर्देशक लक्ष्मण उटेकर ने कहा कि इस दृश्य को हटा दिया जाएगा।

'छावा' फिल्म से जुड़ा विवाद क्या है?

- संभाजी महाराज के वंशज और पूर्व राज्यसभा सांसद छत्रपति संभाजीराजे ने एक गाने में संभाजी महाराज के चित्रण पर आपत्ति जताई और फिल्म निर्माताओं द्वारा ली गई सिनेमाई स्वतंत्रता पर सवाल उठाया।
- उल्लेखनीय है कि इस फिल्म में संभाजी महाराज की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विक्की कौशल, अभिनेत्री रश्मिका मंदाना, जो फिल्म में संभाजी की पत्नी महारानी येसुबाई की भूमिका निभा रही हैं, के साथ लेज़िम (जिसे लाज़ियम भी लिखा जाता है) लोक नृत्य करते हुए दिखाई देते हैं।
- इस मामले में महाराष्ट्र के उद्योग और मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत ने कहा कि "यह खुशी की बात है कि धर्म और स्वतंत्रता के रक्षक छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक हिंदी फिल्म बनाई जा रही है। हमारा रुख यह है कि इस फिल्म को विशेषज्ञों और जानकार लोगों को दिखाए बिना रिलीज़ नहीं किया जाना चाहिए"।
- हालांकि निर्देशक लक्ष्मण उटेकर ने अब कहा है कि वह दृश्य हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि "हमने महाराज को 20 वर्षीय के रूप में सोचा था। यह स्पष्ट था कि उन्होंने लेज़िम नृत्य किया था। और क्यों नहीं? लेज़िम मराठा संस्कृति का एक

हिस्सा है। लेकिन, अगर किसी को उन नृत्य चालों या लेज़िम नृत्य से ठेस पहुँचती है, तो हम उन्हें हटा देंगे"।

कौन थे छत्रपति संभाजी महाराज?

- छत्रपति संभाजी महाराज, प्रसिद्ध मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी के सबसे बड़े पुत्र थे और अपने पिता की मृत्यु के बाद मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक थे।
- मुगल सम्राट औरंगजेब उनका समकालीन था और उसके दक्कन की साम्राज्य विस्तार योजना के कारण अक्सर मराठों के साथ उसका संघर्ष हुआ। हालांकि संभाजी कुछ वर्षों तक मुगल सेनाओं के खिलाफ कई प्रसिद्ध किलों की रक्षा करने में सक्षम थे, लेकिन 1689 में उन्हें मुगलों ने पकड़ लिया और अंततः उन्हें मार डाला।
- उल्लेखनीय है कि नौ साल के अपने छोटे शासन में, संभाजी महाराज ने अपनी वीरता और देशभक्ति के लिए पहचान बनाई। उन्हें विशेष रूप से महाराष्ट्र में, एक ऐसे शासक के रूप में माना जाता है, जिसने धर्म परिवर्तन के बजाय मृत्यु को चुना।

लेज़ियम लोक नृत्य क्या है?

- भारतीय लोक नृत्य की परंपरा पुस्तक में, दिवंगत भारतीय कला विद्वान कपिला वात्स्यायन ने लिखा है कि महाराष्ट्र में कोंकण तट के जिलों में विवाह समारोहों में अक्सर लेज़िम नृत्य का प्रदर्शन किया जाता है। ऐसे आयोजनों के साथ एक

"अखाड़ा" होता था, जो "शारीरिक कौशल के कई करतब दिखाने में कुशल व्यक्तियों का समूह" होता है। उन्होंने आगे कहा कि "महाराष्ट्र के सभी स्कूलों और कॉलेजों में लेज़िम शारीरिक शिक्षा अभ्यास का अभिन्न अंग बन गया है। यह गणेश चतुर्थी जैसे सांस्कृतिक समारोहों का भी एक प्रमुख हिस्सा है"।

- लेजिम, एक छोटा सा हथौड़ा, एक पतली लकड़ी से बना होता है जिसमें धातु के टुकड़े आपस में बंधे होते हैं जो आपस में टकराते हैं और झूलने पर एक मधुर ध्वनि उत्पन्न करते हैं। लेजिम एक कठोर शारीरिक व्यायाम, एक अभ्यास है, साथ ही एक नृत्य भी है। इस नृत्य के साथ ढोल या ढलगी (छोटा ढोल) बजाया जाता है। इसके साथ कोई तार वाला वाद्य नहीं होता है, अक्सर कोई गीत भी नहीं होता है, लेकिन हाल ही में, कभी-कभी, एक गीत गाया जाता है"। कदम बढ़ाना, बैठना और कूदना जैसी जोरदार हरकतें नृत्य का अभिन्न अंग हैं। ढोल की थाप आमतौर पर धीमी गति से शुरू होती है और धीरे-धीरे तेज होती जाती है, नर्तक ध्वनि के साथ तालमेल बिठाते हुए तेज हरकतें करते हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सह-अध्यक्षता किये जाने वाले 'पेरिस एआई शिखर सम्मेलन' के एजेंडे में क्या है?

चर्चा में क्यों है?

- वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के विनियमन के मुद्दे पर विभिन्न देशों के नीति निर्माताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है की AI शक्ति का लाभ कैसे उठाया जाए और इसके जोखिमों को कैसे कम किया जाए।
- उल्लेखनीय है कि AI पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित किए बिना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की नियामक निगरानी कैसे विकसित की जाए, इस पर बढ़ती चिंताओं के बीच, दुनिया भर के शीर्ष नेता 10 -11 फरवरी को पेरिस में दो दिवसीय AI एक्शन समिट के लिए एकत्रित होने वाले हैं।

पेरिस एआई शिखर सम्मेलन क्या है?

- पेरिस शिखर सम्मेलन फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पहल है। यह वैश्विक एआई शासन, नवाचार और व्यापक सार्वजनिक हित की सेवा के तरीकों के व्यापक एजेंडे पर केंद्रित है।

- उल्लेखनीय है कि पेरिस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई बाजार में शक्ति के बढ़ते संकेंद्रण को संबोधित करना है, विशेष रूप से कुछ कंपनियों - माइक्रोसॉफ्ट, अल्फाबेट, अमेज़ॅन और मेटा के स्वामित्व वाले मूलभूत मॉडल के संबंध में।

पेरिस एआई शिखर सम्मेलन के एजेंडे में क्या है?

- पेरिस शिखर सम्मेलन, "नैतिक, टिकाऊ और समावेशी एआई" की वकालत करता है, और शिखर सम्मेलन को निम्नलिखित पांच "प्रमुख धुरियों" के आसपास संरचित करने का प्रयत्न करेगा:
  - ➢ 'सामान्य हित' की सेवा में एआई
  - ➢ काम का भविष्य
  - ➢ विश्वसनीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता
  - ➢ नवाचार और संस्कृति
  - ➢ एआई का वैश्विक शासन

पेरिस शिखर सम्मेलन के आयोजन की पृष्ठभूमि:

- पेरिस शिखर सम्मेलन, यूरोप के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि शक्तिशाली एआई के विकास को अब अमेरिका की प्रमुख तकनीकी कंपनियों और चीन की राज्य शक्ति के बीच एक दौड़ के रूप में देखा जा रहा है।

- यूरोपीय सेंट्रल बैंक के पूर्व अध्यक्ष मारियो ड्रैगी के अनुसार लालफीताशाही और विभिन्न कानून यूरोपीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र को इस AI क्षेत्र में अमेरिका और चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने से रोकते हैं। पेरिस शिखर सम्मेलन इसी पृष्ठभूमि में है।
- उल्लेखनीय है कि यह शिखर सम्मेलन अमेरिका की 'स्टारगेट परियोजना' की घोषणा के तुरंत बाद हो रहा है, जिसमें दिग्गज अमेरिकी टेक कंपनियां अमेरिका में एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए एक साथ आ रहे हैं।
- लेकिन प्रमुख चुनौती चीन की तरफ से आने वाली है, क्योंकि चीन की प्रगति को विफल करने के अमेरिकी प्रयासों के बावजूद चीन द्वारा एआई में आश्चर्यजनक प्रगति की गई है।
- हाल ही में एक चीनी कंपनी ने एक नया बड़ा भाषा मॉडल (LLM), 'डीपसीक' प्रदर्शित किया है। यह एक आधारभूत AI मॉडल है जिसे गणित, कोडिंग और तर्क बेंचमार्क में OpenAI के नए o1 'तर्क मॉडल' के लगभग बराबर बताया जा रहा है। चीन के द्वारा जारी किए गए इस मॉडल ने दिखाया है कि AI मॉडल को प्रशिक्षित करना पहले जितना महंगा प्रयास नहीं हो सकता है, क्योंकि यह मॉडल OpenAI और Google जैसी कंपनियों की तुलना में बहुत कम लागत में संभव है।

MCQs

1. चर्चा में रहे 'फिलिस्तीनी लोगों के विस्थापन के इतिहास' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

   1. प्रथम अरब-इजरायल युद्ध के दौरान लगभग 700,000 फ़िलिस्तीनी विस्थापित हुए थे जिसे फ़िलिस्तीनी नकबा के रूप में मनाते हैं।
   2. फिलिस्तीनी शरणार्थी संकट इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष का केंद्र रहा है और दोनों के मध्य शांति वार्ता में सबसे कठिन मुद्दों में से एक है।

   उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों

   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

   Ans:(c)

2. चर्चा में रहे 'सिनाई प्रायद्वीप' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

   (a) त्रिभुजाकार यह प्रायद्वीप अफ्रीका और एशिया महाद्वीप को जोड़ता है।

(b) इस प्रायद्वीप का सबसे ऊंचा स्थल सिनाई पर्वत है।

(c) 1967 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद से ही यह इजरायल के कब्जे में है।

(d) उपर्युक्त सभी सही हैं।

Ans:(a)

3. चर्चा में रहे 'छत्रपति संभाजी महाराज' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. छत्रपति शिवाजी के मृत्यु उपरांत इन्होने मराठा साम्राज्य की गद्दी संभाली और 32 वर्षों तक शासन किया।
2. महाराष्ट्र में, इन्हे एक ऐसे शासक के रूप में माना जाता है, जिसने धर्म परिवर्तन के बजाय मृत्यु को चुना।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(b)

4. हाल ही में चर्चा में रहे 'डीपसीक' किस देश द्वारा तैयार एक लार्ज लैंग्वेज मॉडल AI मॉडल है?

(a) अमेरिका का

(b) फ्रांस का

(c) इजराइल का

(d) चीन का

Ans:(d)

5. चर्चा में रहे 'लेज़ियम लोक नृत्य' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह महाराष्ट्र का एक लोकनृत्य है जो कोंकण क्षेत्र में अधिक प्रदर्शन किया जाता है।

2. यह एक कठोर शारीरिक व्यायाम, एक अभ्यास, साथ ही एक नृत्य भी है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(c)